(२)

अस्तित्ववाद विषयक निबन्ध लिखिए।
नारी विमर्श विषयक निबन्ध लिखिए।

खण्ड दो

1. अरस्तू के विरेचन संबंधी विचार प्रकट करें
2. नारी विमर्श से क्या तात्पर्य है?
3. त्रासदी संबंधी पाश्चात्य विचारकों की मान्यताएँ बताइए
4. संरचना से क्या अभिप्राय है?
5. संरचनावाद की उपयोगिता स्पष्ट करें।
6. आधुनिक शैली विज्ञान में शैली से क्या अभिप्राय है?
7. दि-सॉस्यूर के सिद्धान्त का उल्लेख करें।
8. उदात्तता के तत्वों का नामोल्लेख करते हुए महान विचारों विषयक मत दें।
9. होरेस के औचित्य सिद्धान्त पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें
10. दलित विमर्श से क्या तात्पर्य है?
11. उदात्त सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।
12. औचित्य सिद्धान्त का परिचय दें।
13. हिन्दी कथा साहित्य में नारी विमर्श विषयक विचार प्रस्तुत करें।
14. मनोविश्लेषणवाद क्या है?
15. अस्तित्ववाद का विवेचन कीजिए
16. उत्तर संरचनावाद का स्वरूप बताइए
17. संरचनावाद के संबंध में शैलावाद की मान्यताओं पर विचार कीजिए।

(1)

एम० ए० तृतीय सैमेस्टर
(हिन्दी)

दीर्घ प्रश्न – पत्र IV – मीडिया लेखन और अनुवाद

प्रिंट मीडिया में हिन्दी का स्थान निर्धारित कीजिए।

वर्तमान संदर्भ में प्रिंट मीडिया का महत्त्व बताएं।

इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में हिन्दी का स्थान निर्धारित कीजिए।

आज के युग में प्रिंट और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में हिन्दी के कदम किस तरह से आगे बढ़ रहे हैं? अपने विचार दीजिए।

समाचार की परिभाषा देते हुए समाचार लेखन कला के प्रमुख तत्वों की चर्चा करें।

6. समाचार लेखक के गुणों का उल्लेख कीजिए।

7. फीचर लेखन की विशेषताएं बताएं।

8. फीचर लेखन का समाचार पत्रों में क्या महत्त्व है? फीचर और कहानी में अन्तर बताते हुए फीचर के मुख्य प्रकारों को उदाहरण देकर समझाएं।

9. वर्तमान जीवन के संदर्भों में हिन्दी विज्ञापनों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

10. जन सम्पर्क संचार-माध्यमों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

11. जन सम्पर्क और विज्ञापन के क्षेत्र के महत्व को समझाते हुए उनमें हिन्दी की स्थिति की चर्चा कीजिए।

12. वर्तमान जगत में अनुवाद के महत्त्व (प्रासंगिकता) का उल्लेख करते हुए बताएं कि किन क्षेत्रों में इसका प्रयोग हो रहा है।

13. अनुवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसका महत्व बताइए।

14. अनुवाद के प्रकारों पर सविस्तार चर्चा करें।

15. अनुवाद की प्रविधि को स्पष्ट करते हुए इसके प्रकारों की चर्चा करें।

खोजी पत्रकारिता से क्या अभिप्राय है स्पष्ट करते हुए खोजी पत्रकार की योग्यताओं का उल्लेख करें, (2)

17. खोजी पत्रकारिता किसे कहते हैं सोदाहरण स्पष्ट करें

18.

प्रश्न —

अनुवाद की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।
2. अनुवाद के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए।
3. अनुवाद की प्रविधि स्पष्ट करें।
4. अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करें।
5. अनुवाद का क्षेत्र स्पष्ट करें।
6. अनुवाद की विशेषताओं का उल्लेख करें।
7. कुशल अनुवादक के गुणों का उल्लेख कीजिए।
8. संपादक के प्रमुख गुण।
9. संपादक का महत्व स्पष्ट कीजिए।
10. संपादन से क्या अभिप्राय है स्पष्ट कीजिए।
11. खोजी पत्रकारिता बनाम पीत पत्रकारिता से अभिप्राय
12. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा प्रिंट मीडिया में अन्तर
13. फीचर लेखन तथा रिपोर्ट लेखन में अन्तर
14. फीचर लेखक की योग्यताएं बताइए
15. फीचर लेखन के प्रकारों का उल्लेख करते हुए सामाजिक फीचर का उदाहरण लिखें।
16. संपादन से क्या अभिप्राय है स्पष्ट कीजिए।
17. समाचारों के छः 'क' कार स्पष्ट कीजिए।
18. प्रत्याशित तथा अप्रत्याशित समाचार किसे कहते हैं?
19. खोजी पत्रकारिता अथवा स्टिंग ऑपरेशन पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए।
20. 'डिजिटल डीरपत' पर विचार दें।

4

बी. ए. तृतीय वर्ष, सेमेस्टर पाँच

फंक्शनल हिन्दी

1. 'जनसंचार' शब्द को पारिभाषित करते हुए रेडियो ए
दूरदर्शन प्रसारण के मूलभूत सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

2. रेडियो का इतिहास बताते हुए उस पर प्रसारित होने व
कार्यक्रमों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

3. 'रेडियो की शैक्षणिक भूमिका' पर सविस्तार नोट लिखिए।

4. दूरदर्शन का इतिहास बताते हुए इस पर प्रसारित कार्य
का वर्णन कीजिए।

5. 'दूरदर्शन तथा रेडियो शिक्षा के क्षेत्र में कितना उपयोग
है' विषयक विचार व्यक्त कीजिए।

6. दूरदर्शन की जनजीवन में उपयोगिता विषयक लेख
लिखें।

7. जनसंचार माध्यमों का संक्षिप्त परिचय देते हुए रेडियो-
भूमिका विषयक विचार व्यक्त करें।

8. जनसंचार माध्यमों का परिचय देते हुए दूरदर्शन की भूमि
विषयक विचार व्यक्त करें।

9. 'सोशल मीडिया की भूमिका' अथवा 'विश्वव्यापी आतंकवाद
विषयक दूरदर्शन के लिए परिचर्चा तैयार कीजिए।

10. दूरदर्शन के लिए समाचार तैयार करते समय किन
बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?

11. 'भारत में दूरदर्शन नेटवर्क' विषय पर विचार व्यक्त कीजिए

12. भारत में रेडियो नेटवर्क विषय पर विचार व्यक्त कीजिए

13. टेलेक्स सेवा से क्या तात्पर्य है? भविष्य में इसकी
उपयोगिता

आशुलिपि से क्या अभिप्राय है? वर्तमान में इसकी उपयो
विषयक विचार व्यक्त कीजिए।

15. टंकण का सामान्य परिचय देते हुए इसकी आवश्यकता विषयक विचार व्यक्त कीजिए।

16. कम्प्यूटर का सामान्य परिचय देते हुए बेसिक प्रोग्राम की जानकारी दीजिए।

17. डाटा ऐंट्री प्रोग्रामिंग विषयक नोट लिखें।

18. कम्प्यूटर सीख कर किन - किन क्षेत्रों में रोज़गार मिल सकता है? विस्तृत जानकारी दीजिए।

19. हिन्दी के विकास में कम्प्यूटर की भूमिका पर विचार करें।

20. दूरदर्शन या रेडियो द्वारा मनोरंजन के साथ - साथ सामान्य और सामयिक विषयों की जानकारी भी उपलब्ध होती है। आ
देकर स्पष्ट कीजिए।

21. 'बढ़ती महंगाई' कौन जिम्मेदार' अथवा 'नारी कितनी सुर
विषयक लेख लिखें।

22. अधोलिखित विषयों पर नोट लिखें —

(1) कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग
(2) कम्प्यूटर आप्रेशन
(3) वर्तमान समय में कम्प्यूटर का महत्त्व
(4) दूरदर्शन नेटवर्क
(5) कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर
(6) डाटा ऐंटरी

एम॰ ए॰ हिन्दी

द्वितीय सैमेस्टर

पाश्चात्य काव्य शास्त्र एवं समकालीन आलोचना के सिद्धान्त

खण्ड एक

दीर्घ प्रश्न

1. प्लेटो का काव्य विषयक दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

2. अरस्तू के अनुकरण सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

3. अरस्तू के विरेचन सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।

4. टी॰ एस॰ इलियट के परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा के सिद्धान्त की विशेषताएं बताइये।

5. आई॰ ए॰ रिचर्डस के मूल्य-सिद्धान्त विषय पर सारगर्भित निबंध लिखें।

6. आई॰ ए॰ रिचर्डस के संप्रेषण सिद्धान्त को स्पष्ट करते हुए संप्रेषणीयता के सिद्धान्त की तुलना कीजिए।

खण्ड दो

7. मार्क्सवादी आलोचना की विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

8. मनोविश्लेषणवादी समीक्षा पद्धति में साहित्यालोचना के क्षेत्र में साहित्य के विभिन्न युगों की आन्तरिकता और मानसिकता को समझने की प्रक्रिया का कार्य हुआ है इस कथन के आधार पर मनोविश्लेषणवाद तथा हिन्दी समीक्षा के विषय में विचार कीजिए।

9. फ्रॉयड, एडलर, युंग के मनोविश्लेषण संबंधी सिद्धान्त की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

10. शैली विज्ञान के स्वरूप एवं विशेषताओं पर विचार कीजिए।

11. संरचनावाद किसे कहते हैं स्पष्ट करते हुए उत्तर संरचनावाद के स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डालें।

एम० ए० हिन्दी
सैमेस्टर 'चार'
भारतीय साहित्य
पत्र-चार

दीर्घ प्रश्न

1. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं का संक्षिप्त परिचय दी...
2. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं की भाषा-शैली का स... विवेचन कीजिए।
3. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं की संवेदना को अभिव्य...
4. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं के महत्व पर एक सं... निबन्ध लिखिए।
5. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं के उद्देश्य को अभि...
6. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं के जीवन-दर्शन ... कीजिए।
7. 'घासीराम कोतवाल' की रंगमंचीयता को उद्घाटित...
8. 'घासीराम कोतवाल' नाटक के महत्व को रेखांकि...
9. 'घासीराम कोतवाल' नाटक की विशेषताएँ निर्दिष्ट ... मूल्यांकन कीजिए।
10. नाना फड़नवीस और घासीराम के चरित्रों की ...
11. 'घासीराम कोतवाल' नाटक के उद्देश्य को अभिव्य...
12. 'संस्कार' उपन्यास के उद्देश्य को अभिव्यक्त ...
13. 'संस्कार' उपन्यास की वर्तमान प्रासंगिकता ...
14. 'संस्कार' उपन्यास में ऐसी कौन सी समस्... आज के समय की प्रासंगिकता को दर्शा... सोदाहरण स्पष्ट करें।
15. 'संस्कार' उपन्यास का नायक कौन है प्राणे...

बी॰ए॰ (द्वितीय) हिन्दी (ऐच्छिक) सेमेस्टर - 3

तरंगिणी

I. पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :-

(i) हत - भाग्य हिन्दू - जाति ! तेरा पूर्व - दर्शन है कहाँ ?
वह शील, शुद्धाचार, वैभव, देख, अब क्या है यहाँ ?
क्या जान पड़ती वह कथा अब स्वप्न की - सी ही नहीं ?
हम हों वही, पर पूर्व - दर्शन दृष्टि आते हैं कहीं ?

(ii) अब भी सुधारेंगे न हम दुर्दैव - वश अपनी दशा,
तो नाम - शेष हमें करेगा काल के कर्कश कशा !
बस टिमटिमाता दीख पड़ता आज जीवन - दीप है,
हा दैव ! क्या रक्षा न होगी, सर्वनाश समीप है ?

(iii) आत्मा मरता है न मारता,
सुन मेरी गीता का ज्ञान -
मरने और मारने वाला
इसे जानते हैं अनजान।
त्याग पुरातन पट - सा यह तनु
रखूंगा मैं नूतन देह;
नया वसन - सा पहन करूंगा
फिर निज साधन निस्सन्देह।

(iv) सिंही - सदृश क्षत्रियाणी,
गरजी फिर कह यह वाणी -
दूर रहे इच्छा ऐसी।
उर में अपना रक्त बहे,
आर्य - भाव उद्दीप्त रहे।

(v) पाकर वंशोचित शिक्षा
मांगेंगी हम क्यों भिक्षा ?
प्राप्त - याचना वर्जित है,
आप भुजों से अर्जित है।

अपना भाग नहीं दूँगी।

(vi) पूज्य पिता या माता पर?
या कि भक्त-से भ्राता पर?
और किसलिए? राज्य मिले?
है जो तृण-सा त्याज्य, मिले?

(vii) माँ की स्पृहा, पिता का प्रण
नष्ट करूँ, करके सुप्रण?
प्राप्त परम गौरव छोड़ूँ?
धर्म बेचकर धन जोड़ूँ?
अम्ब! क्या करूँ, तुम्हीं कहो?
सहसा अधीर न हो।

(viii) माँ ने पुत्र-वृद्धि चाही,
नृप ने सत्य-सिद्धि चाही।
मझली माँ पर कोप करूँ?
पुत्र-धर्म का लोप करूँ?

(ix) सौ-सौ रोग खड़े हों सम्मुख, पशु ज्यों बांध परा,
धिक! जो मेरे रहते, मेरा चेतन जाये-चरा।
रिक्त मात्र है क्या सब भीतर, बाहर भरा-भरा?
कुछ न किया, यह सूना भव भी यदि मैंने न तरा।

(x) आ गया मेरा अन्धेरा याम,
दीख पड़ते हैं मुझे सित गौर भी अब श्याम।
ढल गया है निकल कर द्रुत दिन मुझे,
जल न पाईं बत्तियाँ, दीपक बुझे,
सहज श्वास समीर भी, अब बन रहा है बाम।
आ गया मेरा अन्धेरा याम।

(xi) खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा
किसलय का अँचल डोल रहा;
लो यह लतिका भी भर लाई-
मधु मुकुल नवल रस गागरी।

कविता आधारित प्रश्न

(1) मैथिलीशरण गुप्त का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(2) जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(3) श्री सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(4) सुमित्रानन्दन पन्त की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

(5) 'उद्बोधन' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य /मूलभाव पर प्रकाश डालिए।

(6) बंदा - बैरागी ने आत्मा की क्या - क्या विशेषताएँ बताईं?

(7) 'आर्य- भाव' कविता का सार लिखकर उसके प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

(8) 'श्रद्धा' शीर्षक कविता का सार संक्षेप में लिखें।

(9) 'जाग - री' कविता की विशेषताएँ लिखिए।

(10) 'बढ़े - चलो' कविता का मूलभाव क्या है?

(11) 'मुक्ति' नामक कविता का मूल - भाव क्या है?

(12) कविता में कवि ने वीणा वादिनी से क्या वर मांगा है?

(13) रानी और कानी शीर्षक कविता का सार अपने शब्दों में लिखो।

(14) "स्नेह चाहिए' शीर्षक कविता का संक्षिप्त सार लिखकर उसके मूलभाव पर प्रकाश डालिए।

(15) 'तेरा कैसा गान' शीर्षक कविता का सार लिखें।

(16) 'वात्पाल' शीर्षक कविता में छिपे व्यंग्य को स्पष्ट करें।

III. कविता के आधार पर लघूत्तरापेक्षी प्रश्न

(1) बन्दा बैरागी ने यह पूछे जाने पर कि 'तुम को कैसी मौत चाहिए' बादशाह को क्या उत्तर दिया?

(2) 'हम कौन थे और क्या हो गए हैं' विषय में कवि ने क्या कहा है?

सुमित्रा माता को श्री राम ने क्या उत्तर दिया?

5. सिद्धार्थ किस बात को देखकर चिंतित हुए?

6. विष्णु प्रिया यौवन को लौट जाने के लिए क्यों कहती है

7. 'जाग री' कविता की विशेषताएँ लिखिए।

8. 'विषाद' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

9. 'आँसू' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

10. 'श्रद्धा' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

11. 'मुक्ति' शीर्षक कविता का मूलभाव क्या है?

12. कवि वीणावादिनी से क्या वरदान मांगता है?

13. 'रानी और कानी' शीर्षक कविता के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

14. 'स्नेह चाहिए' कविता में कवि नदी और मानव जीवन के कर्मों की तुलना कैसे करता है?

15. 'जीवन यान' कविता के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

16. कवि के कैसे गीतों पर कोई ध्यान नहीं देता?

17. 'तेरा कैसा गान' कविता में कवि ने गीत खग के गान को कैसा कहा है?

18. 'वाचाल' शीर्षक कविता में व्यक्त व्यंग्य पर प्रकाश डालिए।

नाटक - 'एक सत्य हरिश्चन्द्र'

I. महत्वपूर्ण अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या

1. महामुक्तिदायक अहा मंगल मोद निधान
सत्य हरिश्चन्द्र का चरित सुनो लगाकर कान
सुनो लगाकर कान ध्यान से दर्शन करो चरितवर्धन है
सुधा बूंद बरसाकर चित्ताकर्षक सुखद सरस है।
हरिश्चंद्र महाराज विदित हर लोक क्षत्रधारी थे
मन वचन कर्मधर्मी औ सतधारी थे
नीति निपुण गुणवान वेद अनुकूल सदाचारी थे
रखते [illegible]

वादी का था सकल भूमण्डल पर राज
और अयोध्या में हुए हरिश्चन्द्र महाराज।
देख भूपति के सत को, हुई चिन्ता सुरपति को
सकल काया कुम्हिलानी
सुरपति विश्वामित्र से बोले
पास बुलाकर बानी
यत्न करो चिंता हरो
मुनिश्वर दीनदयाल
वरना इन्द्रासन ले गया
हरिश्चन्द्र भूपाल।

(3) जिसके भय से भुवन चौदहों कांप रहे
सुर भी जिसके आज्ञाकारी हों।
मेह बरसे नहीं बिना उसके कहे
आप देवराज और एक नर से डरे।
इन्द्र का छीने सिंहासन एक हरिश्चन्द्र क्या
ऐसी माया रचूं सत्य से वह डिगे
और उसका ईमान दर-दर बिके।

(4) माया रचकर स्वप्न में लिया राज्य सब दान
और दक्षिणा के लिए बिकने चले सुजान।
विश्वामित्र के बचन सुन मान हिये आनन्द
काशी बिकने को चले महाराज हरिश्चन्द्र।

(5) दानी बिके बजार भिखारी दान बांटता
लूटे सकल बजार उलटकर दाम मांगता
नदियां सूखीं अब कैसे नाव चढ़ोगे ?
हरिश्चन्द्र कहो तुम कब तक कहाँ बिकोगे ?

(6) राजा रानी सुत सहित सतधारी गुणधाम त्याग अयोध्या
को चले करके अन्त प्रणाम।
त्याग किया नहिं सत्य नृप सब राज अपना तज दिया
मुनिराज के संग मुदित मन हो गमन काशी को किया।
सूरज तपै धरती जले ज्वाला फुंके लूहें चलें
संकट अनेकन सहि रहे तृण भर नहीं प्रण से टलें।

5वीं
५ के
की।
14
४

…ला है बिक रही है यह बाम
चली आई हूँ छोड़ सब काम
मुझे दो इसे लीजो मनमानी दाम
सुन्दर है लुभावनी है प्यारा है नाम।
लेना हो तुझको अगर गांठ गिरह की खोल।

(13) ऐसी विपदा में चला छोड़ बिलखती मोय
तेरे बिछुरन से कुंवर मातु कहां अब होय।
गोद खाली मेरी आज करके चला, किस तरह मैं करूं
अपने दिल में सबर। ऐसी काली क्या खोटी थी मुझसे हुई,
छीना ऐसी जगह जो हमारा कुंवर।

(14) जनमत जाके रतन धन, बांटे मोतिन हार
आज उसी को हो रहा, कफन मिलन दुश्वार।
उंगली छुआई आज तक जिसके कभी नहीं अंग में
कर ब्रज की छाती बहाने जाऊँ उसको गंग में।

(15) जब तक मैं राजा था अवधपुरी का, तब तक तू रानी थी और सुत था प्राण समान। पर अब मैं खड़ा हूँ मरघट के मैदान यह सुत नहीं मेरा ना इसका मैं पिता। ना नारि तू मेरी रही। बिकते अलग सब हो गये बातें गई सम्बन्ध की, सब बिके, बिके रहे, थी यही उसकी मया। जो बिक गया बाजार में है अब कहां उसमें दया। तुम करो उसकी क्रिया यह तुम्हारा काम है। मरघट का हूँ गुलाम मैं शव से भी कर लेना मेरा काम है।

II नाटक पर आधारित प्रश्न

1. 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक के नामकरण की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।
2. अभिनेयता की दृष्टि से 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक की समीक्षा कीजिए।
3. 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' में निहित संदेश को प्रतिपादि…

समकालीन संदर्भ में 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' की प्रासंगिकता प्रतिपादित कीजिए।

(5) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' के किस पात्र ने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया है, उसका चरित्र-चित्रण करें।

(6) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक के आधार पर लौका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(7) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक के आधार पर देवधर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

III. नाटक के आधार पर लघूत्तरापेक्षी प्रश्न

(1). घुमंतू कौन था? पुरोहित उसे क्यों डाँट रहा था?

(2) घुमंतू को कुएँ पर से भगाने के बाद पुरोहित ने क्या किया?

(3) चबूतरे पर किसकी कथा प्रारम्भ हुई और वहाँ कौन-से लोग आकर बैठे?

(4) जीतन के सपनों का भारत कैसा था?

(5) क्रान्ति के विषय में देवधर क्या-क्या बातें करता है?

(6) जीतन क्रान्ति के लिए किन चीज़ों को आवश्यक मानता है?

(7) जीतन किस आग के बारे में बातें करता है?

(8) लौका रोशनी रूपी राजनीति पर क्या कटाक्ष करता है?

(9) जीतन सच और झूठ के बारे में देवधर को क्या बताता है?

(10) देवधर ने धर्म की साधना में किसे विघ्न माना है? अपने तर्क के लिए उसने कौन-सा उदाहरण दिया है?

(11) नाटक में गपोले देवधर को कौन-सी विशेष बात बताता है?

(12) देवधर ने किन्हें और क्यों भावना के डंडे से हाँकने को कहा है?

समीक्षा सिद्धान्त : केवल नाटक

नाटक के स्वरूप का विश्लेषण करते हुए, नाटक की परिभाषा सम्बन्धी विभिन्न विद्वानों के मतों का उल्लेख कीजिए।

2. नाटक के भेदों अथवा प्रकारों पर विस्तार से प्रकाश डालें।

3. नाटक के तत्वों का विवेचन कीजिए।

समाकृति भिन्नार्थक शब्द

1. अणु, अनु
2. अंस, अंश
3. अवधि, अवधी
4. आकार, आकर
5. और, ओर
6. अन्न, अन्य
7. अनिष्ठ, अनिष्ट
8. अनल, अनिल
9. अर्घ, अर्घ्य
10. अविराम, अभिराम
11. अभय, उभय
12. अस्त्र, अस्त्र
13. अलम्ब, अविलम्ब
14. आदि, आधि
15. अग, अघ
16. कर्म, क्रम
17. अचला, अचल
18. अन्त, अन्त्य
19. अरस्त ...
21. अगम, आगम
22. अधर्म, विधर्म
23. अपभोग, उपभोग
24. अवध, अवध्य
25. आद्र, आर्द्रा
26. अज, अजा
27. कुल, कूल
28. इति, ईति
29. उद्धत, उद्यत
30. ऋतु, ऋजु
31. ग्रन्थ, ग्रन्थि
32. उद्धार, उधार
33. अभरण, आभरण
34. उऋण, ऊर्ण
35. आकाश, अवकाश
36. इन्दु, इन्द्र
37. आयत, आयात
38. अग्रणी, अग्नि
39. कौर, कोर

तुरंग, तरंग
3. द्वीप, द्विप
44. धात्री, धारित्री
45. द्रव्य, द्रव
46. धुनि, ध्वनि
47. नव, नभ
48. परुष, पुरुष
49. सामान, समान
50. सम्मान, समान

स्वर संधि और व्यंजन संधि

1. सन्धि की परिभाषा लिखकर उसके भेदों का सोदाहरण उल्लेख करें।
2. स्वर सन्धि के भेद सोदाहरण स्पष्ट करें।
3. स्वर सन्धि और व्यंजन संधि में अन्तर स्पष्ट करें।
4. स्वर अथवा व्यंजन संधि को सोदाहरण परिभाषा दीजिए।

संधि – विच्छेद

देवालय, सुरेन्द्र, सत्यार्थ, रत्नाकर, रामायण, विद्यार्थी, महेन्द्र, लक्ष्मीश, कृपालु, दयानन्द, कार्यालय, परमानन्द, चरणामृत, सतीश, भानूदय, राजेश, नरेन्द्र, चन्द्रोदय, महोदय, ब्रह्मर्षि, प्रश्नोत्तर, तथैव, स्वागत, न्यून, स्वल्प, इत्यादि, अत्याचार, अन्वर्थ, दायक, पवन, पावक, भाव, उच्चारण, संगति, संकल्प, भावण, उद्योग, तन्मय, संसार, संहर, शंकर, विच्छेद, परिणाम, पोषण, उल्लेख, नीरव, नमस्कार, कवीन्द्र, पर्वतारोही, नायक, महर्षि, विद्यालय, अत्यन्त, परमेश्वर, सदैव, एकैक।

वाक्य शोधन

1. बन्दूक एक बहुत ही उपयोगी शस्त्र है।

34. अधिकांश सदस्य मेरे पक्ष में थे।
35. आपकी पुस्तक मैं धन्यवाद सहित लौटाता हूँ।
36. उसने दिनभर पढ़ा।
37. हम आपका आभारी हैं।
38. कल रात में वर्षा हुई थी।
39. वह दण्ड देने योग्य है।
40. वह केवल मात्र हिन्दी जानता है।

विराम चिन्ह

1.) छायावादी कवि जहां एक ओर प्रकृति के प्रति नया दृष्टिकोण नया संवेदना बोध भावुकता और आत्मीयता लेकर आया वहीं उसने अपनी कविता को मानवीकरण अप्रस्तुत विधानसूक्ष्म सौन्दर्य चेतना कोमलकान्त पदावली और नूतन छन्द योजना से अलंकृत करके उपस्थित किया

2) राजनीति मेरा क्षेत्र नहीं है किन्तु जहां तक संस्कार की बात है मैं गांधी और मार्क्स की कई बातों को ठीक समझता हूँ सामाजिक विषमताओं के मूल में मनुष्य का अहंकार निवास करता है जाति का अहंकार वंश का अहंकार धन और शक्ति का अहंकार सिद्धि और सफलता का अहंकार ये सभी विभाजक रेखाएं हैं जो मनुष्य से अलग रहती हैं

3) यह खेती का मजा है और एक एक भगवान ऐसे पड़े हैं जिनके पास जाड़ा जाए तो गर्मी से घबरा कर भागे मोटे गद्दे लिहाफ कम्बल मजाल है कि जाड़े का गुजर हो जाये तकदीर की खूबी है मजूरी हम करें मजा दूसरे लूटें

4) उपनिषदों का कथन है केवल ऐसे प्रशान्त पुरुषों को ही सुख मिलता है जो उस एक तत्व को अपने अन्दर जान लेते हैं जो विश्व में बहुत रूपों में अपने को प्रकट करता है यही मनुष्य का अंतिम लक्ष्य है कि वह सत्य की खोज करे

बी० ए० (द्वितीय) आनर्स 2016 - 17

प्रश्न बैंक सेमेस्टर - 3

तुलसीदास द्वारा कृत कवितावली (केवल सुन्दरकाण्ड)

I. सप्रसंग व्याख्या

1. बासव - बरून बिधि - बनतें सुहावनो,
दासाननको काननु बसंतको सिंगारु सो ।
समय पुराने पात परत, डरत बातु
पालत लालत रति - मारको बिहारु सो ।
देखें बर बापिका तड़ाग बाग को बनाव,
रागबस भो बिरागी पवनकुमारु सो ।
सीयकी दसा बिलोकि बिटप असोक तर,
'तुलसी' बिलोक्यो सो तिलोक - सोक - सारु सो ॥

2. लाइ - लाइ आगि भागे बाल जाल जहाँ तहाँ,
लघु ह्वै निबुकि, गिरिमेरुतें बिसाल भो ।
कौतुकी कपीसु कूदि कनक - कँगूराँ चढ्यो,
रावन - भवन चढ़ि ठाढ़ो तेहि काल भो ।
'तुलसी' बिराज्यो ब्योम बालधी पसारि भारी
देखें हहरात भट, कालु सो कराल भो ।
तेजको निधानु मानो कोटिक कृसानु - भानु,
नख बिकराल, मुखु तैसो रिस लाल भो ॥

3. जहाँ - तहाँ बुबुक बिलोकि बुबकारी देत
जरत निकेत, धावौ, धावौ लागी आगि रे ।
कहाँ तातु - मातु, भ्रात, भगिनी, भामिनी - भाभी,
ढोटा छोटे छोहरा अभागे भौंडे भागि रे ।
हाथी छोरौ, घोरा छोरौ, महिष बृषभ छोरौ,
छेरी छोरौ, सोवै सो जगावौ, जागि जागि रे ।
'तुलसी' बिलोकि अकुलानी जातुधानी कहैं

4. एक करैं धौंज, एक कहैं, काढ़ौं सौंज, एक,
औंजि पानी पीकै, कहैं, बनत न आवनो।
हम परे गाढ़े एक डाढ़त हौं काढ़ें, एक,
देखत हैं ठाढ़े, कहैं, पावकु भयावनो।
'तुलसी' कहत एक 'नीकें' हाथ लाए कपि,
अजहूँ न छाड़ै बालु गालको बजावनो।
'धाओ रे, बुझाओ रे' कि 'बावरे हौं रावरे या,
औरै आगि लागी न बुझावै सिंधु सावनो' ॥

5. रावनु सो राजरोगु बाढ़त बिराट-उर,
दिनु दिनु बिकल, सकल सुख रांक सो।
नाना उपचार करि हारे सुर, सिद्ध, मुनि,
होत न बिसोक, औत पावै न मनाक सो।
रामकी रजाइतें रसाइनी समीरसूनु,
उतरि पयोधि पार सोधि सरवाक सो।
जातुधान-बुट पुटपाक लंक-जातरूप,
रतन जतन जारि कियो है मृगांक-सो ॥

6. गगन निहारि, किलकारी भारी सुनि,
हनुमान पहिचानि भए सानंद सचेत हैं।
बूड़त जहाज बच्यो पथिकसमाजु, मानो,
आजु जाए जानि सब अंकमाल देत हैं।
जै जै जानकीस, जै जै लखन-कपीस, कहि,
कूदैं कपि कौतुकी, नटत रेत-रेत हैं।
अंगदु मयंदु नलु नील बलसील महा
बालधी फिरावैं, मुख नाना गति लेत हैं ॥

II. प्रश्न - उत्तर

1. 'कवितावली' में रचित सुन्दरकाण्ड के महत्व को स्पष्ट करें।

'सुन्दरकाण्ड' के आधार पर हनुमान जी के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

4. 'सुन्दरकाण्ड' के आधार पर सीता जी के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

5. 'कवितावली' के आधार पर 'सुन्दरकाण्ड' की भावगत और कलागत नवीनता तथा मौलिकता को स्पष्ट करें।

6. 'सुन्दरकाण्ड' की रस योजना का वर्णन करो।

7. 'कवितावली' में रचित 'सुन्दरकाण्ड' की भाषा पर प्रकाश डालें।

8. 'कवितावली' में रचित 'सुन्दरकाण्ड' में अलंकार-योजना के बारे में विस्तार से लिखें।

भारत - भारती

I. सप्रसंग व्याख्या

1. संसार में किसका समय है एक-सा रहता सदा,
है निशि-दिवा-सी घूमती सर्वत्र विपदा-सम्पदा।
जो आज एक अनाथ है, नरनाथ कल होता वही;
जो आज उत्सव-मग्न है, कल शोक से रोता वही।

2. भू-लोक का गौरव, प्रकृति का पुण्य लीला-स्थल कहाँ?
फैला मनोहर गिरि हिमालय और गंगाजल जहाँ।
सम्पूर्ण देशों से अधिक किस देश का उत्कर्ष है?
उसका कि जो ऋषिभूमि है, वह कौन है? भारतवर्ष है।

3. हाँ, वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है,
ऐसा पुरातन देश कोई [illegible] — " --

ON CENTURY PAPER

...धों ने किया नर - सृष्टि का पहले यहीं विस्तार है,
केवल पुरुष ही थे न वे जिनका जगत को गर्व था,
गृह - देवियाँ भी थीं हमारी देवियां ही सर्वथा।
था अत्रि - अनसूया - सदृश गार्हस्थ्य दुर्लभ स्वर्ग में,
दाम्पत्य में वह सौख्य था जो सौख्य था अपवर्ग में।

5) ब्राह्मी - स्वरूपा, जन्मदात्री, ज्ञान - गौरव - शालिनी,
प्रत्यक्ष लक्ष्मीरूपिणी धन - धान्य - पूर्णा, पालिनी,
दुर्द्धर्ष रुद्राणी स्वरूपा शत्रु - सृष्टि - लयंकारी,
वह भूमि भारतवर्ष की है भूरि भावों से भरी॥

6) वह भद्र भारत सर्वदा भू लोक - नेता सिद्ध है,
संसार में सबसे अधिक स्वाधीन - चेता सिद्ध है।
उन्मादिनी माया स्वयं उसको भुला पाती नहीं,
पुनरागमन की बन्धता भी है उसे आती नहीं॥

7) प्राचीनता के चिन्ह भी क्या अब तुम्हारे रह गए ?
खँडहर खड़े हैं कुछ सही, पर आज वे भी हैं नए।
सुनते यही हैं हाय! हम जा पहुँचते हैं जब वहाँ -
"कोई हमें वे मत कहो, देखो न, अब हम वे कहाँ!"

8) वे वीर हाय! स्वदेश का करते यही उपकार हैं,
दो भाइयों के युद्ध में होते वही आधार हैं।
उनके भरोसे पर यहाँ अभियोग चलते हैं बड़े,
हारे कि जीतें आप, उनके किन्तु पौबारह पड़े॥

9) अब भी समय है जागने का देख आँखें खोल के,
सब जग जगाता है तुझे, जग कर स्वयं जय बोल के।
निःशक्त यद्यपि हो चुकी है किन्तु तू न मरी अभी,
अब भी पुनर्जीवन - प्रदायक साज है सम्मुख सभी॥

10) केवल मनोरंजन न कवि का कर्म होना चाहिए,
उसमें उचित ...

आज 'रामचरितमानस' सब कहीं सम्मान्य है?
काव्य - युत उसमें परम आदर्श का प्राधान्य है॥
बीती नहीं यद्यपि अभी तक है निराशा की निशा -
है किन्तु आशा भी कि होगी दीप्त फिर प्राची दिशा -।
महिमा तुम्हारी ही जगत में धन्य आशे! धन्य है,
देखा नहीं कोई कहीं अवलम्ब तुम-सा अन्य है॥

II प्रश्न - उत्तर

(i) 'भारत - भारती' के 'अतीत- खण्ड' में कवि द्वारा प्रकट विचार संक्षेप में अपनी भाषा में इस प्रकार लिखिए कि उसका स्वरूप स्पष्ट हो जाए।

(ii) 'भारत - भारती' के 'वर्तमान खण्ड' में कविवर मैथिलीशरण गुप्त द्वारा वर्णित विचारों का संक्षिप्त स्वरूप प्रस्तुत कीजिए।

(iii) कविवर मैथिलीशरण गुप्त की रचना 'भारत- भारती' के 'भविष्यत् खण्ड' की विचार योजना का संक्षिप्त आलोचनात्मक स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'भारत - भारती' काव्य की रचना का मूल उद्देश्य क्या है? रचना के आधार पर इस प्रश्न का उत्तर सोदाहरण दें।

(v) 'भारत - भारती' काव्य में प्रकट की गई राष्ट्रीय महत्व की भावनाओं और विचारों पर सोदाहरण विचार कीजिए।

(vi) कविवर मैथिलीशरण गुप्त विरचित 'भारत - भारती' के

रेखा प्रस्तुत कीजिए।

(vii) 'भारत - भारती' के काव्य शिल्प पर संक्षेप में इस प्रकार विचार कीजिए कि इसका काव्य - रूप भी स्पष्ट हो जाए।

(viii) 'भारत - भारती के भाषा पर संक्षेप में टिप्पणी कीजिए।

राष्ट्रीय भाषा हिन्दी : स्वरूप एवं महत्त्व

राष्ट्रीय भाषा हिन्दी के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए इसके महत्व को स्पष्ट करें।

———— × ————

बी॰ ए॰ प्रथम वर्ष

प्रयोजनमूलक हिन्दी

1. पत्र लेखन के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर नोट लिखो।
2. सरकारी पत्राचार और हिन्दी पर नोट लिखो।
3. सरकारी पत्रों की कार्यपद्धति पर विस्तार से चर्चा करें।
4. निजी तथा औपचारिक पत्रों में अन्तर स्पष्ट करें।
5. पत्र लेखन का इतिहास बताते हुए उसकी कार्यपद्धति पर चर्चा करें।
6. एक पत्र लिखते समय जिन सोपानों को ध्यान में रखा जाता है, उन पर नोट लिखें।
7. सरकारी पत्रों के प्रकार बताते हुए किन्हीं दो पर विस्तार से चर्चा करें।
8. राज्य में फैली आतंकवादी गतिविधियों के बारे में भारत सरकार को पत्र लिखें।
9. ज्ञापन तथा कार्यालय ज्ञापन में अन्तर स्पष्ट करें।
10. विज्ञापन की परिभाषा तथा स्वरूप देते हुए एक विज्ञापन (लिखें) का उदाहरण दें।
11. सरकारी तथा अर्द्ध सरकारी पत्रों में अन्तर स्पष्ट करते हुए एक का उदाहरण दें।
12. कार्यालय आदेश तथा अधिसूचना पर विस्तार से चर्चा करें।
13. प्रारूपण तथा टिप्पण में क्या अन्तर है?
14. प्रारूपण का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताएं बताएं।
15. टिप्पण के प्रकारों का वर्णन करते हुए किन्हीं दो का सोदाहरण वर्णन करें।

एम॰ ए॰ प्रथम वर्ष

सेमेस्टर I

पत्र- चौथा

भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त और हिन्दी आलोचना

खण्ड -क (एक)

1. काव्य-हेतु किसे कहते हैं? काव्य-हेतुओं के विषय में भारतीय विद्वानों के मतों का उल्लेख करते हुए काव्य-हेतुओं की समीक्षा कीजिए।

2. काव्य प्रयोजन से आप क्या समझते हैं? काव्य प्रयोजनों के विषय में भारतीय आचार्यों के अभिमत प्रस्तुत करते हुए मम्मट द्वारा वर्णित काव्य प्रयोजनों का सविस्तार विवेचन कीजिए।

3. भारतीय आचार्यों द्वारा निर्दिष्ट काव्य-लक्षणों की समीक्षा कीजिए।

4. 'रस स्वरूप' विषय पर एक सारगर्भित निबंध लिखें।

5. रस-निष्पत्ति संबंधी विभिन्न मतों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

6. रस को परिभाषित करते हुए रस के अंगों का विवेचन कीजिए।

7. साधारणीकरण से क्या तात्पर्य है? इस विषय पर विभिन्न विद्वानों के मतों का उल्लेख करते हुए अपना मत दीजिए।

8. अलंकार का स्वरूप विवेचन करते हुए विभिन्न विद्वानों के मतों को स्थापित करें।

9. अलंकारों के वर्गीकरण के विषय में भारतीय आचार्यों के कार्य पर प्रकाश डालें।

10. रीति सम्प्रदाय का परिचय देते हुए रीति और शैली में

...वीन सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

औचित्य सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाओं पर प्रकाश डालिए।

14. औचित्य - सिद्धान्त के औचित्य पर विचार करते हुए उसके भेदों को सोदाहरण स्पष्ट करें।

15. वक्रोक्ति सिद्धान्त और अभिव्यंजनावाद के साम्य - वैषम्य को रेखांकित कीजिए।

16. वक्रोक्ति सिद्धान्त के वर्गीकरण पर प्रकाश डालें।

खण्ड-ख — (ख)

1. हिन्दी आलोचना के क्षेत्र में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के योगदान पर विचार करें।

2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के समीक्षा-सिद्धान्तों का विवेचन कीजिए

3. हिन्दी आलोचना के संदर्भ में डॉ॰ नामवर सिंह का स्थान निर्धारित कीजिए।

4. डॉ॰ राम विलास शर्मा के आलोचना सिद्धान्तों को स्थापित करें।

खण्ड तीन (ग)

1. रस के अंगों में संचारी भाव का परिचय दीजिए।

2. रस के अवयवों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. सहृदय की अवधारणा को संक्षेप में स्पष्ट करें।

4. आ॰ मम्मट के काव्य-प्रयोजनों का संक्षेप में विवेचन करें।

5. काव्य हेतुओं पर प्रकाश डालिए

6. एक शब्दालंकार और एक अर्थालंकार को सोदाहरण लिखें।

7 शब्द. शक्तियों के अन्तर्गत [illegible]

हिन्दी ऐच्छिक

बी-ए तृतीय वर्ष सेमेस्टर – 6 ①

1. निबंध लेखन (साहित्यिक और सामाजिक विषयों पर आधारित)

1. नारी सशक्तिकरण
2. आतंकवाद विश्वव्यापी समस्या
3. जेवर नहीं शौचालय ज़रूरी
4. स्वच्छ भारत अभियान
5. बिखरता बचपन
6. युवाओं में बढ़ता नशा
7. बिखरते मानवीय मूल्य
8. आधुनिकता और भारत
9. राष्ट्र भाषा हिन्दी
10. समाज सुधारक कबीर
11. प्रगतिवाद
12. परहित सरिस धर्म नहीं भाई
13. साहित्य और समाज
14. नया युग: नये मूल्य
15. सोशल मीडिया के प्रति बढ़ता युवाओं का आकर्षण
16. • जी-एस-टी
17.
18.

फुलवारी

संदर्भ सहित व्याख्या

1. ऐसी होली को धिक्कार है। त्योहार, तमाशा देखने और अच्छी-अच्छी चीज़ें खाने और अच्छे-अच्छे कपड़े पहनने का नाम नहीं है। यह व्रत है, तप है, अपने भाइयों से प्रेम और सहानुभूति करना त्योहार का खास मतलब है और कपड़े लाल करने के पहले खून को लाल कर लो। सफेद खून पर यह लाली शोभा नहीं देती।

2. इस स्थिति में बुआ को अपनी ज़िंदगी आस-पास वालों के भरोसे से काटनी पड़ती थी। किसी के घर मुंडन हो, छठी हो, जनेऊ हो, शादी हो या गमी, बुआ पहुँच जाती है और फिर छाती पकड़कर काम करती। मानो वे दूसरे के घर में नहीं अपने ही घर में काम कर रही हों।

3. मैं तो बना दूँगी बेटा, जैसे बन पड़ेगा बना दूँगी और माँ दिन ही दिल में फिर बेटे के उज्ज्वल भविष्य की कामनाएँ करने लगी।

4. सात बजते-बजते माँ का दिल धक-धक करने लगा। अगर चीफ सामने आ गया और उसने कुछ पूछा, तो वह क्या जवाब देगी? अंग्रेज को तो दूर से ही देखकर वह घबरा उठती है, यह तो अमेरिकी है। न मालूम क्या पूछे मैं क्या कहूँगी। माँ का जी चाहा कि चुपचाप पिछवाड़े विधवा सहेली के घर चली जाए।

...वनता की है। वे केवल उसी पतित या पापी का उद्धार ...रते हैं, जो उनकी शरण में पहुँच जाता है, पर मैं तो स्वयं घर-घर पहुँचकर लोगों का पातित्य दूर करके पवित्रता वितरित करता हूँ। तो भी मैं अस्पृश्य क्यों हूँ? इसका एक पौराणिक कारण है।

(13) तू कर्तव्यच्युत अपराधी है। विधाता ने तुझे पतितपावन बनाकर शुभ कर्म सौंपा, तू मनोविकार का शिकार हो गया। तेरी पूर्वकृत सेवाओं का स्मरण कर केवल इतना ही दण्ड दिया जाता है कि पृथ्वीतल के मानव-समाज में तू अस्पृश्य समझा जाएगा, क्योंकि वासना तेरी नस-नस में बस गई है। किन्तु तेरे शुभ कर्म का जो गुण पवित्रीकरण है, उसके प्रभाव से तेरा दर्शन यात्राकाल में सदा मंगलप्रद माना जाएगा। देवलोक से तेरा निकाला जाना कल्याणकर है।

14. शहीदों के रक्त से सहरा के रावण लाल हो उठते हैं। बच्चों की तड़प और अबलाओं की चीख से वातावरण भरा हुआ है। इतनी बड़ी दर्दनाक घटना संसार के इतिहास में मिलना मुश्किल है। मुहर्रम इसी दिन का करुण स्मरण है।

समीक्षात्मक प्रश्न

1. आँसुओं की होली कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें।
2. आँसुओं की होली कहानी के आधार पर श्री विलास का चरित्र-चित्रण करें।
3. कहानी के तत्वों के आधार पर 'अकेली' कहानी की समीक्षा कीजिए।
4. सोमा बुआ का चरित्र चित्रण करें।
5. अकेली कहानी के आधार पर कहानीकार का उद्देश्य स्पष्ट करें।
6. चीफ की दावत कहानी के आधार पर शामनाथ का चरित्र चित्रण करें।
7. चीफ की दावत कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें।
8. चीफ की दावत मध्यवर्गीय मानसिकता और बदलते संबंधों की कहानी है – स्पष्ट कीजिए।
9. 'सुभान खाँ' साम्प्रदायिक सद्भाव का अनोखा रेखाचित्र है – स्पष्ट करें

…भाभी रेखाचित्र की समीक्षा कीजिए।

भाभी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

13. सदाचार का तावीज़ पाठ में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

14. सदाचार का तावीज़ आलेख की समीक्षा करें।

15. पतितपावन होते हुए भी धोबी अछूत या अस्पृश्य क्यों है?

16. धोबी की सनातन सवारी क्या है? इस दृष्टि से धोबी और भगवान की श्रेणी एक कैसे है?

17. हिन्दुस्तान की असली तस्वीर कहाँ मिलती है और क्यों?

18. यमुनोत्री के अद्भुत रूप का वर्णन करें।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

गद्य की विधाएं —

1. हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास पर संक्षेप में प्रकाश डालें
2. कहानी के उद्भव और विकास पर संक्षेप में प्रकाश डालें
3. हिन्दी निबंध के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालें
4. आत्मकथा के उद्भव और विकास को रेखांकित करें।
5. जीवनी साहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालें
6. हिन्दी संस्मरण साहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालें
7. हिन्दी रेखाचित्र के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालें
8.

छन्द — दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, कुण्डलियां, सवैया, द्रुतविलंबित, हरिगीतिका, उपेन्द्रवज्रा, इन्द्रवज्रा (लक्षण और उदाहरण)

देवनागरी लिपि : विकास क्रम, गुण-दोष, सुधार के उपाय (सभी अनिवार्य)

प्रेस विज्ञप्ति का प्रारूप तैयार करें —

...ंत्रण पत्र

(1) गृह प्रवेश का निमंत्रण पत्र तैयार करें।
(2) किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होने का निमंत्रण पत्र
(3) प्रीति भोज का निमंत्रण पत्र
(4) नई दुकान के उद्घाटन संबंधी निमंत्रण पत्र
(5) युवा मेले का निमंत्रण पत्र

विज्ञापन —

(1) सरकार द्वारा नीलामी सूचना संबंधी विज्ञापन का प्रारूप
(2) गुमशुदा की तलाश
(3) व्यापारिक विज्ञापनों के प्रारूप
(4) ब्यूटी पार्लर में काम करने के लिए लड़कियों के लिए दिए जाने वाले विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें।
(5) किसी वस्तु का समाचार पत्र में विज्ञापन दीजिए।

बी० ए० (तृतीय) (ऐच्छिक)

व्याकरण प्रश्न बैंक

सेमेस्टर – 5

I. अलंकार

अलंकारों के लक्षण और उदाहरण लिखें

अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, अतिशयोक्ति, विरोधाभास, उत्प्रेक्षा, प्रतीप

II. समीक्षा सिद्धान्त

1. काव्य की विभिन्न परिभाषाएँ बता कर उसका स्वरूप निर्धारित कीजिए।
2. काव्य की विभिन्न परिभाषाएँ बता कर उसका स्वरूप निर्धारित कीजिए।
3. कविता के तत्वों की विवेचना कीजिए।
4. अर्थ रमणीयता की दृष्टि से काव्य के भेदों पर प्रकाश डालिए।
5. काव्य के प्रमुख भेदों का परिचय दीजिए।
6. महाकाव्य की परिभाषा लिखते हुए उसकी विशेषताएँ लिखिए।
7. खण्ड काव्य किसे कहते हैं? इसका स्वरूप निर्धारित कीजिए।
8. मुक्तक काव्य के भेद लिखिए।
9. महाकाव्य तथा खण्ड काव्य में अन्तर स्पष्ट करें।
10. भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से गीतिकाव्य का स्वरूप स्पष्ट ~~कीजिए~~.

उसकी आंखों में एक खास चमक आ गई थी और बोल पड़ी थी अकेलापन कोई बुरी चीज नहीं है सर मैं भी अकेली हूं फिर उसके दांत से होंठ काट लिए थे और उसने कहा था जाइए अपना काम कीजिए बैंक में ऐसे सवाल नहीं किया करते

तकनीकी शब्दावली

केवल प्रशासनीय शब्दावली

acceptance, account, accuse, adjournment, affidavit, agent, appoint, approval, article, ban, bonafide, bureau, charge sheet, circular, citation, civic, civil air-craft / civil, claimant, collector, custody, decorum, composite, director, dissent, Eligible, Enquiry, Faculty, Gazetted officer, grant, incentive, index, initial, interim, judgement, jurisdiction, Ledger, Major, minor, monopoly, negotiation, notification, offender, procedure, public, receipt, reminder, senior, Sine die, tender, treasurer, vacancy, warrant.

बी० ए० तृतीय वर्ष

हिन्दी (ऐच्छिक)

सेमेस्टर - पाँच

महत्त्वपूर्ण प्रश्न बैंक

1. कुरुक्षेत्र - रामधारीसिंह दिनकर

1. वह कौन रोता है वहाँ—
इतिहास के अध्याय पर
जिसमें लिखा है, नौजवानों के लहू का मोल है
प्रत्यय किसी बूढ़े, कुटिल नीतिज्ञ के व्यवहार का
जिसका हृदय उतना मलिन जितना कि शीर्ष वलक्ष है;
जो आप तो लड़ता नहीं
कटवा किशोरों को मगर
आश्वस्त होकर सोचता
शोणित बहा, लेकिन, गयी बच लाज सारे देश की?

2. उस सत्य के आघात से
है झनझना उठती शिराएँ प्राण की असहाय-सी,
सहसा विपंची पर लगे कोई अपरिचित हाथ ज्यों
वह तिलमिला उठता, मगर,
है जानता इस चोट का उत्तर न उसके पास है।

3. हम वहाँ पर हैं, महाभारत जहाँ
दीखता है स्वप्न अन्तःशून्य-सा
जो घटित-सा तो कभी लगता मगर
अर्थ जिसका अब न कोई याद है।

4. आ गए हम पार, तुम उस पार हो;
यह पराजय या विजय किसकी हुई?
व्यंग्य, पश्चाताप अन्तर्दाह का
अब विजय-उपहार भोगो चैन से

बी० ए० तृतीय वर्ष

हिन्दी (ऐच्छिक)

सेमेस्टर - पाँच

महत्त्वपूर्ण प्रश्न बैंक

1. कुरुक्षेत्र - रामधारीसिंह दिनकर

1. वह कौन रोता है वहाँ—
इतिहास के अध्याय पर
जिसमें लिखा है, नौजवानों के लहू का मोल है
प्रत्यय किसी बूढ़े, कुटिल नीतिज्ञ के व्यवहार का
जिसका हृदय उतना मलिन जितना कि शीर्ष वलक्ष है;
जो आप तो लड़ता नहीं
कटवा किशोरों को मगर
आश्वस्त होकर सोचता
शोणित बहा, लेकिन, गयी बच लाज सारे देश की?

2. उस सत्य के आघात से
हैं झनझना उठती शिराएं प्राण की असहाय-सी,
सहसा विपंची पर लगे कोई अपरिचित हाथ ज्यों
वह तिलमिला उठता, मगर,
है जानता इस चोट का उत्तर न उसके पास है।

3. हम वहाँ पर हैं, महाभारत जहाँ
दीखता है स्वप्न अन्तःशून्य-सा
जो घटित-सा तो कभी लगता मगर
अर्थ जिसका अब न कोई याद है।

4. आ गए हम पार, तुम उस पार हो;
यह पराजय या विजय किसकी हुई?
व्यंग्य, पश्चाताप अन्तर्दाह का
अब विजय-उपहार भोगो चैन से

प्रकृति नहीं डर कर झुकती है
कभी भाग्य के बल से
सदा हारती वह मनुष्य के
उद्यम से, श्रमजल से।
ब्रह्मा का अभिलेख पढ़ा
करते निरुद्यमी प्राणी
धोते वीर कु-अंक भाल का
बहा भ्रुवों से पानी।
भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे रखता दबा एक जन
भाग दूसरे जन का

कुरुक्षेत्र पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. कुरुक्षेत्र की सर्जना हेतु प्रमुख प्रेरक तत्वों पर प्रका
2. आधुनिक युग के संदर्भ में कुरुक्षेत्र की प्रासंगिकता पर
3. कुरुक्षेत्र की रचना किस उद्देश्य से हुई है लेखक को इसमें क्या सफलता प्राप्त हुई है युक्ति-युक्त
4. आधुनिक परिस्थितियों में कुरुक्षेत्र की सार्थकता पर प्रकाश डालें।
5. कुरुक्षेत्र की मूल संवेदना पर प्रकाश डालें।
6. कुरुक्षेत्र के प्रतिपाद्य विषय का विवेचन करें।
7. कुरुक्षेत्र का नायक कौन है? तर्कपूर्ण उत्तर दें।
8. भीष्म पितामह के चरित्र पर प्रकाश डालें।
9. युधिष्ठिर के चरित्र पर प्रकाश डालें।

कृष्ण ने अपने उपदेश में किस बात को महत्त्व दिया? (9)

21. कुरुक्षेत्र के तृतीय सर्ग में कवि ने युद्ध तथा शांति में से किसे श्रेष्ठ बताया है?

22. युद्धोपरान्त युधिष्ठिर की मानसिक दशा का उल्लेख करें।

समीक्षा सिद्धांत —

1. काव्य की परिभाषा लिखते हुए काव्य के भेद-उपभेदों का विवेचन करें।
2. कविता के तत्त्वों का विवेचन करें।
3. महाकाव्य की परिभाषा लिखते हुए उसकी विशेषताएँ बताइये।
4. शैली के आधार पर काव्य के भेदों पर प्रकाश डालें।
5. खंड काव्य को परिभाषित करते हुए स्वरूप निर्धारण करें।
6. महाकाव्य और खण्डकाव्य में अन्तर स्पष्ट करें।
7. गीतिकाव्य की परिभाषा देते हुए स्वरूप स्पष्ट करें।
8. निबंध की परिभाषा देते हुए तत्त्वों का उल्लेख करें।
9. संस्मरण का स्वरूप स्पष्ट करें।
10. संस्मरण के तत्त्वों पर प्रकाश डालें।
11. जीवनी की विभिन्न परिभाषाएँ बताकर इसका स्वरूप निर्धारित करें।
12. जीवनी के तत्त्वों पर प्रकाश डालें।
13. आत्मकथा का स्वरूप निर्धारण करें।
14. आत्मकथा के प्रमुख तत्त्वों पर प्रकाश डालें।
15.

बी. ए. प्रथम वर्ष

पद्यांश

1. हरि जननी मैं बालिक तेरा।
काहे न औगुण बकसहु मेरा॥ टेक॥
सुत अपराध करै दिन केते,
जननी के चित रहै न तेते॥
कर गहि केस करै जो घाता,
तऊ न हेत उतारै माता॥
कहै कबीर एक बुधि बिचारी,
बालक दुखी दुखी महतारी॥

2. मन लागो यार फकीरी में।
जो सुख पायो राम भजन में, सो सुख नाहिं अमीरी में॥
भला बुरा सब को सुन लीजै, कर गुजरान गरीबी में।
प्रेम नगर में रहनि हमारी, भलि बनि आई सबुरी में।
हाथ में कुण्डी बगल में सोटा, चारो दिसा जागीरी में।
आखिर यह तन खाक मिलैगा, कहा फिरत मगरूरी में॥
कहै कबीर सुनो भाई साधो, साहेब मिलै सबूरी में॥

3. तूं तूं करता तूं भया, मुझ में रही न हूं।
वारी फेरी बलि गई, जित देखो तित तूं।

4. बहुत दिनन की जोवती बाट तुम्हारी राम।
जिव तरसै तुझ मिलन कूं मनि नाही बिसराम॥

5. राम मैं पूजा कहा चढ़ाऊं
फल और फूल अनूप न पाऊं॥
थनहर दूध जो बछरू जुठारी।
पुहुप भंवर जल मीन बिगारी॥
मलयागिरी बेधियो भुअंगा।
बिष अम्रित दोउ एकै संगा॥
मन ही पूजा मन ही धूप।
मन ही सेऊं सहज सरूप॥
पूजा अरचा न जानूं तेरी।
कह रैदास कवन गति मेरी॥

को कौन देश को बासी।
मधुकर कहि समुझाइ सौंह दै बूझति साँच न हांसी।।
को है जनक कौन है जननी कौन नारि को दासी।
कैसो बरन भेष है कैसो केहि रस मैं अभिलाषी।।
पावैगो पुनि कियो आपनो, जौर करैगो गासी।
सुनत मौन है रह्यो बावरो सूर सबै मति नासी।।

14. ऊधो इतनी कहियो जाइ।
अति कृसगात भई ये तुम बिनु, परम दुखारी गाई।।
जल समूह बरसति दोऊ अंखियां, हूंकति लीने नाऊं।
जहां-जहां गो दोहन कीन्हौं, सूंघति सोई ठाऊं।।
परति पछार खाइ छिन ही छिन, अति आतुर ह्वै दीन
मानहु सूर काढ़ि डारि है, वारि मध्य तैं मीन।।

5. आली रे मेरे नैणां बाण पड़ी।
चित्त चढ़ी मेरे माधुरी मूरत, उर बिच आन अड़ी।
कब की ठाढ़ी पंथ निहारूं, अपने भवन खड़ी।
कैसे प्राण पिया बिन राखूं, जीवन मूर जड़ी।
मीरा गिरधर हाथ बिकानी, लोग कहैं बिगरी।।

6. पग घुंघरू बांध मीरां नाची, रे।।
मैं तो मेरे नारायण की, आपहिं हो गई दासी, रे।।
लोग कहैं मीरा भई बावरी, न्यात कहैं कुलनासी, रे।
विष का प्याला राणा जी भेज्या, पीवत मीरा हांसी, रे।।
मीरां के प्रभु गिरधर नागर, सहज मिले अविनासी, रे।।

7. कोई कहियौ रे प्रभु आवन की।
आवन की मनभावन की,
आप न आवै लिख नहिं भेजै, बाण पड़ी ललचावन की।
ए दोइ नैन कह्यो नहि मानै, नदिया बहै, जैसे सावन की।
कहा करूं कछु नहिं बस मेरो, पांख नहीं उड़ जावन की।
मीरा कहै प्रभु कब रे मिलोगे, चेरी भई हूं तेरे दावन की।।

8. चलो मन गंगा जमना तीर।
गंगा जमना निरमल पाणी, सीतल होत सरीर।
बंसी बजावत गावत कान्हो, संग लिया बलबीर।।
मोर मुकुट पीताम्बर सोहै, कुंडल झलकत हीर।
मीरां के प्रभु गिरधर नागर, चरण कमल पै सीर।।

कहा हंसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।
छति लाभु जून धनु, तोरें। देखा राम नयन के भोरें॥
त टूट रघुपतिहिं न दोसु। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू
ले चितइ परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा॥2
बालकु बोलि बधउँ नहिं तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्व बिदित क्षत्रिय कुल द्रोही॥3

20. धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूत कहौ, जोलहा कहौ कोऊ॥
काहू की बेटी सों बेटा न ब्याहब,
काहू की जाति बिगार न सोऊ॥
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को,
जाको रुचै सो कहै कछु ओऊ॥
माँगि कै खैबो, मसीत को सोइबो,
लैबो को एकु न दैबे को दोऊ।

21. प्रान पुत्र दोनों बड़ा, प्यारो युग परमान।
सो दसरथ दोनों तजे, बचन न दीन्हें जान॥
बचन न दीन्हें जान, बड़न की यही बड़ाई।
बचन रहे, सो लाज, और सरबस किन जाई।
कहि गिरिधर कविराय, भये दसरथ नृप ऐसे।
प्राण पुत्र परिहरे, बचन परिहरे न तैसे॥

प्रश्न उत्तर
1. कबीर दास का साहित्यिक परिचय दें।
2. सूरदास का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
3. मीराबाई का साहित्यिक परिचय दें।
4. तुलसीदास का साहित्यिक परिचय दें।
5. गुरुनानक देव जी की वाणी का सार लिखें
6. सूरदास द्वारा बाल लीला का सार लिखें।
7. भ्रमरगीत में सूरदास जी ने किस विषय पर चर्चा की है विस्तार से बताएं।
8. मीराबाई द्वारा रचित पद का सार लिखें।
9. तुलसीदास द्वारा रचित लक्ष्मण मूर्छा पर नोट लिखें।

प्रश्न- उत्तर

...रंज के खिलाड़ी' कहानी की तात्विक समीक्षा करें।
...तरंज के खिलाड़ी' कहानी का उद्देश्य लिखिए।
...शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के आधार पर मिरज़ा साहब तथा मीर साहब का चरित्र-चित्रण करें।
4. "असाधारण व्यक्ति महल में हों या झोंपड़ी में असाधारण ही बने रहते हैं" ममता कहानी के आधार पर इस कथन की सार्थकता बताइए।
5. 'अशिक्षित का हृदय' कहानी का उद्देश्य लिखिए।
6. 'अशिक्षित का हृदय' कहानी के आधार पर मनोहर सिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए।
7. 'मौत के मुँह में' कहानी का सार लिखो।
8. 'न्याय मंत्री' कहानी के आधार पर शिशुपाल का चरित्र चित्रण करें।
9. 'गुलाब' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।
10. 'गुलाब' कहानी के आधार पर हसना का चरित्र-चित्रण कीजिए।
... 'सभ्य-असभ्य' कहानी के आधार पर कथानायक डॉक्टर का चरित्र-चित्रण करें।

लघुत्तरापेक्षी प्रश्न

1. कबीर के अनुसार फकीर के गुण बताओ।
2. कबीर जी के पाखण्ड विरोधी दोहों का आशय स्पष्ट करें।
... कबीर जी के निराकार राम कैसे है और उनकी भक्ति का उपदेश कैसे दिया है?
... कबीर जी ने सतगुरु की महिमा का किन शब्दों में वर्णन किया है
... कबीर जी की भाषा पर टिप्पणी लिखें।
... रैदास जी ने देह की नश्वरता के बारे में क्या कहा है?
... शुद्ध भक्ति करने के बारे में रविदास जी क्या कहते है?
... रैदास जी 'माटी को पुतरा' की धारणा को स्पष्ट करें?

...हर सिंह ने तेजा के बापू के बारे में तेजा से क्या ...?

मनोहर सिंह ने तेजा सिंह को नीम का पेड़ क्यों दे दिया?

31. न्यायमंत्री कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए?

32. न्यायमंत्री के रूप में शिशुपाल के न्याय की ख्याति कैसे फैली?

33. न्यायमंत्री कहानी में पहरेदार कैसे मारा गया?

34. महाराज अशोक पर मृत्युदण्ड की घोषणा की क्या प्रतिक्रिया हुई?

35. गुलाब शीर्षक कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालें।

36. शब्द- असभ्य कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालें।

37. डॉक्टर अपनी पत्नी की हर बात क्यों मान लेता था?

हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. हिन्दी- साहित्य के आदिकाल को वीरगाथा काल कहना कहाँ तक उचित है? अपना मत व्यक्त करें।
2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए?
3. भक्तिकालीन काव्य- धाराओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए
4. भक्तिकाल की विशेषताओं का परिचय दीजिए?
5. संत काव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए?
6. सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
7. कृष्ण भक्ति- काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
8. राम- भक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. शतरंज के खिलाड़ी कहानी के दो प्रमुख पुरुष पात्रों के नाम लिखें।
2. ममता कहानी के लेखक का नाम बताएं और यह भी बताए कि यह कहानी किस प्रकार की है?
3. सब अपना धर्म छोड़ दे तो मैं भी क्यों छोड़ दूं?

नानक देव जी के काव्य में दो विशेषताओं का ... करें।
मीराबाई किस काल की कवियत्री है?
गिरिधर कविराय ने अपने पदों की रचना ... छंद में की है?
56. मीरा की भक्ति किस प्रकार की है?
57. राजरानी कवयित्री का नाम लिखें?
58. ज्ञानमार्गी शाखा के चार प्रमुख सन्तों के नाम लिखें
59. मीराबाई द्वारा रचित दो रचनाएं लिखो?
60. साहित्य लहरी, गीतावली, मधुमालती, अखरावट के कवियों के नाम लिखिए?

समीक्षा सिद्धान्त

1. कहानी की परिभाषा पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए
2. कहानी के तत्वों का सम्यक निरूपण कीजिए।
3. कहानी के विभिन्न रूपों पर प्रकाश डालिए।
4. उपन्यास के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए उसकी परिभाषा दें।
5. उपन्यास के प्रमुख तत्वों की विवेचना कीजिए?
6. उपन्यास के प्रकारों पर प्रकाश डालिए?

झांसी की रानी

1. 'रानी लक्ष्मी बाई' उपन्यास की कथावस्तु की (1) विशेषता पर प्रकाश डालें।
2. रानी लक्ष्मी बाई उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालें।
3. नारी शक्ति में महत्व की प्रतिष्ठा करना रानी लक्ष्मी बाई उपन्यास का उद्देश्य है - इस कथन की पुष्टि करें।
4. रानी लक्ष्मी बाई की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालें
5. चरित्र चित्रण
   (i) रानी लक्ष्मी बाई
   (ii) तांत्या टोपे
   (iii) मोतीबाई

अनेकार्थक शब्द

क 2. आम 3. अम्बर 4. अचल 5. कनक
काम 7 कर 8. काल 9 वर्ण 10. धन
घट 12. तात 13. ज्येष्ठ 14 द्रव्य 15. नव
16 नग 17. नाग 18. पतंग 19 पानी 20. पूर्व
21 बल 22 मित्र 23. लक्ष्य 24. वर्ण 25. सर
26 सरस्वती 27. सूर 28. हरि 29. आदि
30 अज 31. खग 32. अलि 33 इन्द्र 34. कुम्भ
35 आग 36. जड़ 37 दिन 38. वंश 39 प्रकृति

विपरीत शब्द

आरोह, विकास, व्यष्टि, तरल, स्थावर, निरक्षर, घातक, अतिवृष्टि, शूद्र, स्वर्ग, उदय, जल, आतप, अनुराग, अवनति, आकाश, अमावस्या, अपेक्षा, आकर्षण, आशा, उग्र, आय, गुप्त, विजय, गमन, दुर्बल, नागरिक, साधारण, श्वेत, यश, मूर्ख, क्षमा, दुर्लभ, सूक्ष्म, पवित्र, कठोर, कृपण, अपर, नश्वर, आस्तिक, अमृत, उत्कृष्ट

पर्यायवाची शब्द

अमृत	कपड़ा	पत्नी	पुष्प	पुत्री	रात्रि
आग	कोयल	पर्वत	सर्प	पत्ता	समुद्र
अलंकार	जल	पत्थर	सूर्य	चाँद	राजा
आनन्द	नदी	मोर	नमस्कार	गज	वायु

वाक्यांश के लिए एक शब्द

जिस पर मुकदमा चला हो
सन्देश ले जाने वाला
पन्द्रह दिन में होने वाला
बहुत रूप धारण करने वाला
साथ पढ़ने वाला
एक-दूसरे से फैलने वाला रोग
दूसरे के कार्य में बाधा डालना
जो क्षमा करने योग्य हो
जिसका कोई शत्रु न हो

एम॰ए॰ हिन्दी सेमेस्टर पहला, दूसरा

एम॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर, चतुर्थ सेमेस्टर
पेपर I भाषा विज्ञान

1. प्रश्न भाषा का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी विभिन्न परिभाषाएं प्रस्तुत करें।

2. आधुनिक भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय दीजिए।

3. भाषा अध्ययन की परम्परा में पाणिनि का योगदान रेखांकित कीजिए।

4. भाषा अध्ययन में ध्वनि के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालें।

5. ध्वनि-यंत्रों का परिचय दीजिए।

6. ध्वनि की उत्पत्ति का विवेचन कीजिए।

7. भारत में भाषा अध्ययन की प्राचीन परम्परा पर एक निबन्ध लिखिए।

8. स्वर और व्यंजन ध्वनियों में अन्तर स्पष्ट करते हुए हिन्दी की व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण कीजिए।

9. भाषा के विविध रूपों पर प्रकाश डालिये।

10. भाषा की परिभाषा देते हुए उसकी प्रकृति का विवेचन कीजिए।

11. स्वर की परिभाषा देते हुए स्वरों का वर्गीकरण कीजिए।

12. भाषा विज्ञान का स्वरूप बताते हुए भाषा विज्ञान और भाषिकी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

13. राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

14. आधुनिक भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय दीजिए।

15. भारत में भाषा अध्ययन की प्राचीन परम्परा में निरुक्त तथा यास्क को ~~[illegible]~~ योगदान रेखांकित कीजिए।

लघु प्रश्न

1. व्यक्ति बोली और उपबोली को स्पष्ट कीजिए।
2. भाषा की प्रकृति को स्पष्ट करें।
3. भाषा अध्ययन की प्राचीन परम्परा में भर्तृहरि का योगदान निर्धारित कीजिए।
4. शिक्षा और प्रतिशाख्य में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
5. राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
6. भाषा अध्ययन की प्राचीन परम्परा में ~~यास्क~~ / निरुक्त / पाणिनि का योगदान निर्धारित कीजिए।
7. भाषा विज्ञान की स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
8. स्वर और व्यंजन में अंतर स्पष्ट कीजिए।
9. ध्वनियंत्र पर नोट लिखें।
10. स्वरों का वर्गीकरण कीजिए।
11. व्यंजनों का वर्गीकरण कीजिए।
12. ध्वनि की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।
13. ध्वनि की उत्पत्ति स्पष्ट कीजिए।
14. ध्वनि के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
15. खरोष्ठी लिपि की विशेषताएँ बताइये।
16. सिन्धु घाटी लिपि / ब्राह्मी लिपि का सामान्य परिचय दीजिए।
17. देवनागरी लिपि के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
18. हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण स्पष्ट कीजिए।
19. देवनागरी लिपि के नामकरण को स्पष्ट कीजिए।
20. देवनागरी लिपि एक वैज्ञानिक लिपि है। सिद्ध कीजिए।
21. 'अर्थसंकोच' को स्पष्ट कीजिए।

बी. ए. तृतीय वर्ष, सेमेस्टर पाँच

फंक्शनल हिन्दी

1. 'जनसंचार' शब्द को पारिभाषित करते हुए रेडियो व दूरदर्शन प्रसारण के मूलभूत सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।
2. रेडियो का इतिहास बताते हुए उस पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों का सविस्तार वर्णन कीजिए।
3. 'रेडियो की शैक्षणिक भूमिका' पर सविस्तार नोट लिखिए।
4. दूरदर्शन का इतिहास बताते हुए इस पर प्रसारित कार्यक्रमों का वर्णन कीजिए।
5. दूरदर्शन तथा रेडियो शिक्षा के क्षेत्र में कितना उपयोगी है, विषयक विचार व्यक्त कीजिए।
6. दूरदर्शन की जनजीवन में उपयोगिता विषयक लेख लिखें।
7. जन संचार माध्यमों का संक्षिप्त परिचय देते हुए रेडियो-भूमिका विषयक विचार व्यक्त करें।
8. जनसंचार माध्यमों का परिचय देते हुए दूरदर्शन की भूमिका विषयक विचार व्यक्त करें।
9. 'सोशल मीडिया की भूमिका' अथवा 'विश्वव्यापी आतंकवाद' विषयक दूरदर्शन के लिए परिचर्चा तैयार कीजिए।
10. दूरदर्शन के लिए समाचार तैयार करते समय किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?
11. भारत में दूरदर्शन नेटवर्क विषय पर विचार व्यक्त कीजिए।
12. भारत में रेडियो नेटवर्क विषय पर विचार व्यक्त कीजिए।
13. टेलेक्स सेवा से क्या तात्पर्य है? भविष्य में इसकी उपयोगिता ...

(1)

एम० ए० हिन्दी
सैमेस्टर 'चार'
भारतीय साहित्य
पत्र-चार

दीर्घ प्रश्न

1. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं की भाषा-शैली का सम्यक विवेचन कीजिए।
3. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं की संवेदना को अभिव्यक्त करें
4. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं के महत्व पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।
5. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं के उद्देश्य को अभिव्यक्त करें
6. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं के जीवन-दर्शन को स्पष्ट कीजिए।
7. 'घासीराम कोतवाल' की रंगमंचीयता को उद्घाटित कीजिए
8. 'घासीराम कोतवाल' नाटक के महत्व को रेखांकित करें।
9. 'घासीराम कोतवाल' नाटक की विशेषताएं निर्दिष्ट करते हुए मूल्यांकन कीजिए।
10. नाना फड़नवीस और घासीराम के चरित्रों की समीक्षा कीजिए
11. 'घासीराम कोतवाल' नाटक के उद्देश्य को अभिव्यक्त कीजिए
12. 'संस्कार' उपन्यास के उद्देश्य को अभिव्यक्त करें।
13. 'संस्कार' उपन्यास की वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए
14. 'संस्कार' उपन्यास में ऐसी कौन सी समस्याएं हैं जो आज के समय की प्रासंगिकता को दर्शाती है? सोदाहरण स्पष्ट करें।
15. 'संस्कार' उपन्यास का नायक कौन है प्राणेशाचार्य पर नारायणप्पा स्पष्ट करें।

एम० ए० तृतीय सैमेस्टर (1)

(हिन्दी)

दीर्घ प्रश्न — पत्र IV - मीडिया लेखन और अनुवाद

1. प्रिंट मीडिया में हिन्दी का स्थान निर्धारित कीजिए।

2. वर्तमान संदर्भ में प्रिंट मीडिया का महत्त्व बताएं।

3. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में हिन्दी का स्थान निर्धारित कीजिए।

4. आज के युग में प्रिंट और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में हिन्दी के कदम किस तरह से आगे बढ़ रहे हैं? अपने विचार दीजिए।

5. समाचार की परिभाषा देते हुए समाचार लेखन कला के प्रमुख तत्वों की चर्चा करें।

6. समाचार लेखक के गुणों का उल्लेख कीजिए।

7. फीचर लेखन की विशेषताएँ बताएं।

8. फीचर लेखन का समाचार पत्रों में क्या महत्त्व है? फीचर और कहानी में अन्तर बताते हुए फीचर के मुख्य प्रकारों को उदाहरण देकर समझाएं।

9. वर्तमान जीवन के संदर्भों में हिन्दी विज्ञापनों के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

10. जन सम्पर्क संचार-माध्यमों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

11. जन सम्पर्क और विज्ञापन के क्षेत्र के महत्त्व को समझाते हुए उनमें हिन्दी की स्थिति की चर्चा कीजिए।

12. वर्तमान समय में अनुवाद के महत्त्व (प्रासंगिकता) का उल्लेख करते हुए बताएं कि किन क्षेत्रों में इसका प्रयोग हो रहा है।

13. अनुवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसका महत्त्व बताइए।

14. अनुवाद के प्रकारों पर विस्तार चर्चा करें।

15. अनुवाद की प्रविधि को स्पष्ट करते हुए इसके प्रकारों की चर्चा करें।

एम. ए. हिन्दी सेमेस्टर-पहला, दूसरा
पेपर II आधुनिक हिन्दी काव्य

(1) मैथिली शरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

(2) 'साकेत' एक महाकाव्य है।' समीक्षा कीजिए।

(3) साकेत की गीत सृष्टि की भाव एवं शिल्प की दृष्टि से समीक्षा कीजिए।

(4) साकेत काव्य में वर्णित उर्मिला के चरित्र की विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(5) साकेत के नवम् सर्ग के आधार पर उर्मिला के विरह वर्णन की मुख्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

(6) प्रकृति-चित्रण की दृष्टि से साकेत अद्वितीय काव्य है, स्पष्ट कीजिए।

(7) 'साकेत' में वर्णित नारी पात्रों का विवेचन कीजिए।

(8) 'उर्मिला का विरह-वर्णन परम्परा और नूतनता का समन्वय है।' उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(9) निराला जी के काव्य की कलापक्षीय विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(10) 'राम की शक्तिपूजा' की अनुभूति और अभिव्यक्ति पर विचार कीजिए।

(11) राम की शक्तिपूजा की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।

(12) 'राम की शक्तिपूजा' ओज और सौन्दर्य की सन्तुलित समन्विति है,' इस कथन को सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

(13) महाकवि निराला कृत सरोजस्मृति की समीक्षा कीजिए।

(14) '...

... की कविता है?

नागार्जुन के काव्य-वैशिष्ट्य की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

(47) नागार्जुन की कविताओं में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(48) नागार्जुन की कविता में व्यंग्य को प्रमुखता दी गई है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(49) ~~बाबू~~ नागार्जुन की कविताओं में अभिव्यक्त भावपक्ष तथा अनुभूति पक्ष को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(50) नागार्जुन के जीवन तथा काव्य सम्बन्धी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए।

(51) नागार्जुन की कविताओं में जनजीवन की आशा-आकांक्षा एवं जनचेतना का स्वर सर्वोपरि है?" सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

(52) ~~मार्क्सवादी नागार्जुन एवं समाजवादी~~
नागार्जुन की कविताओं में मार्क्सवाद एवं समाजवादी दर्शन का प्रभाव है। स्पष्ट कीजिए।

(53) कामायनी के रूपक-तत्व की समीक्षा कीजिए।

(54) कामायनी आधुनिक युग का महाकाव्य है। सिद्ध कीजिए।

(55) कामायनी के आधार पर श्रद्धा के सौन्दर्य का चित्रण कीजिए।

(56) कामायनी के प्रतीक-विधान की समीक्षा कीजिए।

(57) कामायनी के आधार पर प्रसाद के मानववाद की ...

'चिन्ता सर्ग' वस्तुतः सभ्यता के संकट की कविता है? उदाहरण सहित प्रमाणित कीजिए।

(60) 'श्रद्धा सर्ग' वस्तुतः कामायनी के मूल उद्देश्य को प्रतिपादित करता है।' इस कथन को प्रमाणित कीजिए।

(61) कामायनी की कथा में इतिहास और कल्पना का सुन्दर समन्वय है इस कथन की विवेचना कीजिए।

(62) कामायनी एक ऐतिहासिक महाकाव्य है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(63) 'कामायनी' के प्रकृति चित्रण को वर्णित कीजिए।

(64) कामायनी के नारी पात्रों का वर्णन कीजिए।

(65) कामायनी में अभिव्यक्त श्रद्धा के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

लघुत्तरी प्रश्न

1. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की मूल साहित्यिक संवेदना का परिचय दीजिए।
2. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की काव्य-संवेदना का परिचय दीजिए।
3. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचनाओं का उल्लेख कीजिये।
4. अयोध्यासिंह उपाध्याय की साहित्य रचनाओं का परिचय दीजिए।
5. "हरिऔध जी के काव्य में लोकमंगल की भावना विद्यमान है।" स्पष्ट कीजिए।
6. हरिवंश राय बच्चन की साहित्यिक रचनाओं की संक्षिप्त

7. बच्चन जी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

8. बच्चन जी के हालावाद को स्पष्ट कीजिए।

9. बच्चन जी के काव्य की विशेषताएं बताइए।

10. हिन्दी कविता में हालावाद के प्रवर्तक हरिवंश राय बच्चन का मूल्यांकन कीजिए।

11. भवानीप्रसाद मिश्र की गांधीवादी संवेदना पर टिप्पणी कीजिए।

12. भवानीप्रसाद मिश्र का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय दीजिए।

13. भवानीप्रसाद मिश्र की काव्य संवेदना पर टिप्पणी कीजिए।

14. भवानीप्रसाद मिश्र सहज संवेदना के कवि हैं। विवेचना कीजिए।

15. भवानी प्रसाद मिश्र के प्रकृति-प्रेम को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

16. 'धूमिल' का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय दीजिए।

17. 'धूमिल' की काव्य-संवेदना के मूल स्वर का परिचय दीजिए।

18. कवि धूमिल की कविता का मुख्य स्वर क्या है?

19. धूमिल की कविता में अभिव्यक्त यथार्थ पर टिप्पणी कीजिए।

20. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के प्रबंधकार के रूप में संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

21. हरिवंशराय बच्चन का कविता युग क्या था? स्पष्ट कीजिए।

22. महादेवी वर्मा के काव्य की मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

23. महादेवी वर्मा की कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश

एम० ए० हिन्दी
सैमेस्टर 'चार'
भारतीय साहित्य
पत्र-चार

दीर्घ प्रश्न

1. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं का संक्षिप्त परिचय दी
2. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं की भाषा-शैली का स
विवेचन कीजिए।
3. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं की संवेदना को अभिव्य
4. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं के महत्त्व पर एक सं
निबन्ध लिखिए।
5. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं के उद्देश्य को अभि
6. 'गीतांजलि' में संकलित कविताओं के जीवन-दर्शन
कीजिए।
7. 'घासीराम कोतवाल' की रंगमंचीयता को उद्घाटित
8. 'घासीराम' कोतवाल नाटक के महत्त्व को रेखांकि
9. 'घासीराम कोतवाल' नाटक की विशेषताएँ निर्दिष्ट क
मूल्यांकन कीजिए।
10. नाना फड़नवीस और घासीराम के चरित्रों की स
11. 'घासीराम कोतवाल' नाटक के उद्देश्य को अभिव्य
12. 'संस्कार' उपन्यास के उद्देश्य को अभिव्यक्त
13. 'संस्कार' उपन्यास की वर्तमान प्रासंगिकता प
14. 'संस्कार' उपन्यास में ऐसी कौन सी समस्
शापु के समय की प्रासंगिकता को दर्शा
सोदाहरण स्पष्ट करें।
15. 'संस्कार' उपन्यास का नायक कौन है प्रा

(1)

एम० ए० हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

पाश्चात्य काव्य शास्त्र एवं समकालीन आलोचना के सिद्धान्त

खण्ड एक

दीर्घ प्रश्न

1. प्लेटो का काव्य विषयक दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।
2. अरस्तू के अनुकरण सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।
3. अरस्तू के विरेचन सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।
4. टी. एस. इलियट के परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा के सिद्धान्त के स्वरूप को बताइ
5. आई० ए० रिचर्ड्स के मूल्य-सिद्धान्त विषय पर सारगर्भित निबंध लिखें।
6. आई० ए० रिचर्ड्स के संप्रेषण सिद्धान्त को स्पष्ट करते हुए संप्रेषणीयता के सिद्धान्त की तुलना कीजिए।

(खण्ड ख)

7. मार्क्सवादी आलोचना की विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।
8. मनोविश्लेषणवादी समीक्षा पद्धति में साहित्यालोचना के क्षेत्र में साहित्य के विभिन्न युगों की आन्तरिकता और मानसिकता को समझने की प्रक्रिया का कार्य हुआ है इस कथन के आधार पर मनोविश्लेषणवाद तथा हिन्दी समीक्षा के विषय में विचार कीजिए।
9. फ्रॉयड, एडलर, युंग के मनोविश्लेषण संबंधी सिद्धान्त की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।
10. शैली विज्ञान के स्वरूप एवं विशेषताओं पर विचार कीजिए।
11. संरचनावाद किसे कहते हैं स्पष्ट करते हुए उत्तर संरचनावाद के स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डालें।

7

बी. ए. तृतीय वर्ष, सेमेस्टर पाँच

फंक्शनल हिन्दी

1. 'जनसंचार' शब्द को परिभाषित करते हुए रेडियो ए
दूरदर्शन प्रसारण के मूलभूत सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

2. रेडियो का इतिहास बताते हुए उस पर प्रसारित होने
कार्यक्रमों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

3. 'रेडियो की शैक्षणिक भूमिका' पर सविस्तार नोट लिखिए।

4. दूरदर्शन का इतिहास बताते हुए इस पर प्रसारित कार्य
का वर्णन कीजिए।

5. 'दूरदर्शन तथा रेडियो शिक्षा के क्षेत्र में कितना उपयोग
है', विषयक विचार व्यक्त कीजिए।

6. दूरदर्शन की जनजीवन में उपयोगिता विषयक लेख
लिखें।

7. जनसंचार माध्यमों का संक्षिप्त परिचय देते हुए रेडियो-
भूमिका विषयक विचार व्यक्त करें।

8. जनसंचार माध्यमों का परिचय देते हुए दूरदर्शन की भूमि
विषयक विचार व्यक्त करें।

9. 'सोशल मीडिया की भूमिका' अथवा 'विश्वव्यापी आतंकवाद
विषयक दूरदर्शन के लिए परिचर्चा तैयार कीजिए।

10. दूरदर्शन के लिए समाचार तैयार करते समय किन
बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?

11. 'भारत में दूरदर्शन नेटवर्क' विषय पर विचार व्यक्त कीजिए

12. भारत में रेडियो नेटवर्क विषय पर विचार व्यक्त कीजिए

13. टेलेक्स सेवा से क्या तात्पर्य है? भविष्य में इसकी
उपयोगिता

आशुलिपि से क्या अभिप्राय है? वर्तमान में इसकी उपयो[illegible]
विषयक विचार व्यक्त कीजिए।

15. टंकण को सामान्य परिचय देते हुए इसकी आवश्यकता
विषयक विचार व्यक्त कीजिए।

16. कम्प्यूटर का सामान्य परिचय देते हुए बेसिक प्रोग्राम
की जानकारी दीजिए।

17. डाटा ऐंट्री प्रोग्रामिंग विषयक नोट लिखें।

18. कम्प्यूटर सीख कर किन-किन क्षेत्रों में ~~रोजगार~~ मिल
सकता है? विस्तृत जानकारी दीजिए।

19. हिन्दी के विकास में कम्प्यूटर की भूमिका पर विचार करें।

20. दूरदर्शन या रेडियो सिर्फ मनोरंजन के साथ-साथ सामान्य ज्ञा[illegible]
और सामयिक विषयों की जानकारी भी उपलब्ध होती है। आ[illegible]
देकर स्पष्ट कीजिए।

21. 'बढ़ती महंगाई' 'कौन जिम्मेदार' अथवा 'नारी कितनी सुर[illegible]
विषयक लेख लिखें।

22. अधोलिखित विषयों पर नोट लिखें –

(1) कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग
(2) कम्प्यूटर आप्रेशन
(3) वर्तमान समय में कम्प्यूटर का महत्त्व
(4) दूरदर्शन नेटवर्क
(5) कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर
(6) डाटा ऐंटरी